Ancient Dynasties
प्राचीन राजवंश

The Magadha Empire (684 B.C - 320 B.C)

Haryanaka dynasty
(544 BC to 412 BC)

Shisunaga dynasty
(412 BC to 344 BC)

Nanda dynasty
(344 BC-322 BC)

- **The Magadha Empire is mentioned in the two great epics Ramayana and Mahabharata/ मगध साम्राज्य का उल्लेख दो महान महाकाव्यों रामायण और महाभारत में मिलता है**

Haryaka Dynasty (Bimbisara (~~558~~ 544 BC – 491 BC))

- Son of Bhattiya. / भट्ठिया का पुत्र
- A Jain King / एक जैन राजा
- He was Contemporary and follower of the Buddha. / वह बुद्ध के समकालीन और अनुयायी थे।
- Capital - Girivraja (Rajgir). / राजधानी - गिरिव्रज (राजगृह)।
- Strategy - Matrimonial alliances / नीति - वैवाहिक संबंध
- He was the first king to have a standing army. / वह स्थायी सेना रखने वाले पहले राजा थे।

Haryaka Dynasty (Bimbisara (558 BC – 491 BC))

- Three wives - / तीन पत्नियाँ -
  - Kosaladevi / कोसलादेवी
  - Chellana (daughter of the Lichchavi chief of Vaisali) / चेल्लना (वैशाली के लिच्छवि प्रमुख की पुत्री)
  - Khema (daughter of the king of Punjab) / खेमा (पंजाब के राजा की पुत्री)
- The officers occupying high posts were divided into three – executive, military and judicial. / उच्च पदों पर आसीन अधिकारियों को तीन भागों में विभाजित किया गया था – कार्यकारी, सैन्य और न्यायिक।

Ajatasatru (492 BC - 460 BC)

- He killed his father & succeeded throne. / उसने अपने पिता की हत्या की और सिंहासन प्राप्त किया।
- Son of Bimbisara & Chellana. / बिम्बिसार और चेल्लना का पुत्र।
- Led First Buddhist Council at Rajagriha just after the death of Buddha in 483 BC. / 483 ईसा पूर्व में बुद्ध की मृत्यु के ठीक बाद राजगृह में पहली बौद्ध परिषद का नेतृत्व कया
- He has won Vaishali. / उसने वैशाली पर विजय प्राप्त की।

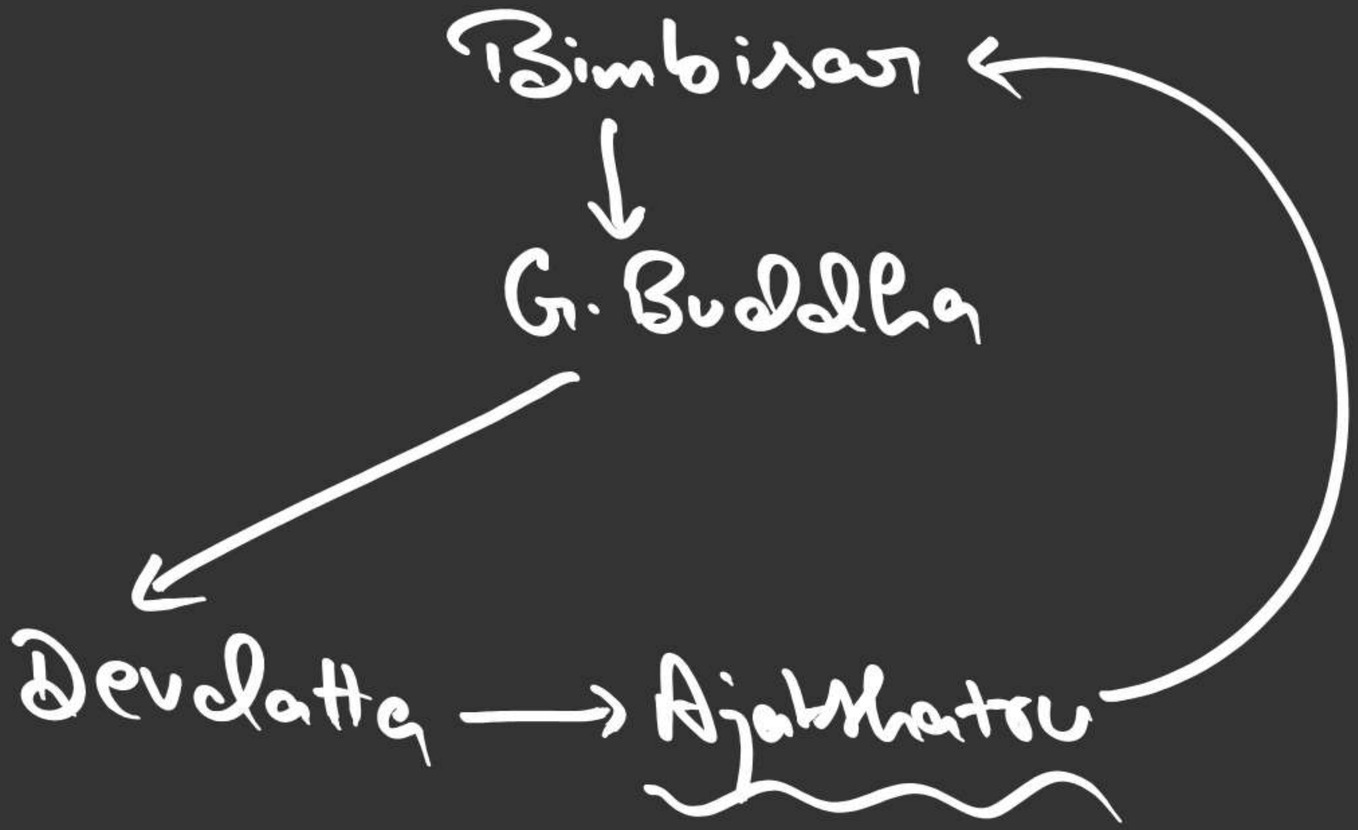
Bimbisara
G. Buddha
Devdatta
Ajatshatru

Udayin (460 BC - 440 BC)

- Ajatshatru was succeeded by his son Udayin. / अजातशत्रु के बाद उसके पुत्र उदयिन ने शासन किया।

- He was instrumental in laying the foundations of the Patliputra and shifted the capital from Rajgriha to Patliputra. / उसने पाटलिपुत्र की नींव डाली और राजधानी को राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया।

Udayin (460 BC - 440 BC)

Shisunaga

- **Naga-Dasak was the last ruler of Haryanka dynasty.** / नागदशक हर्यक वंश का अंतिम शासक था।

- **He was found unworthy to rule by the people and was forced to abdicate his throne in favour of his minister Shisunaga.** / जनता ने उसे शासन के योग्य नहीं पाया और उसे अपने मंत्री शिशुनाग के पक्ष में सिंहासन त्यागने के लिए विवश किया।

Sisunaga Dynasty (412 BC to 344 BC)

- Capital – Girivraj (Rajgir) /
  राजधानी – गिरिव्रज (राजगृह)

- During Shisunaga's rule, the Avanti kingdom was conquered and annexed into the Magadh empire. /
  शिशुनाग के शासनकाल में अवंति राज्य पर विजय प्राप्त कर उसे मगध साम्राज्य में मिला लिया गया।

Sisunaga Dynasty (412 BC to 344 BC)

- Shisunaga was succeeded by Kalashoka. / शिशुनाग के बाद उसका उत्तराधिकारी कालाशोक बना।
- He convened the second Buddhist Council in Vaishali in 383 BC. / उसने 383 ईसा पूर्व वैशाली में द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन किया।
- After some time he shifted the capital to Vaishali. / कुछ समय बाद उसने राजधानी को वैशाली स्थानांतरित कर दिया।

Kalasoka (395 –367 BC)

- He divided his kingdom between his ten sons and crowned his ninth son, Nandivardhana as the king of Magadha. / उसने अपने राज्य को अपने दस पुत्रों में बाँट दिया और अपने नवें पुत्र नंदिवर्धन को मगध का राजा बनाया।
- He was killed by the founder of Nanda dynasty. / उसकी हत्या नंद वंश के संस्थापक द्वारा की गई।
- With his death the Shishunaga dynasty came to an end. / उसकी मृत्यु के साथ ही शिशुनाग वंश का अंत हो गया।

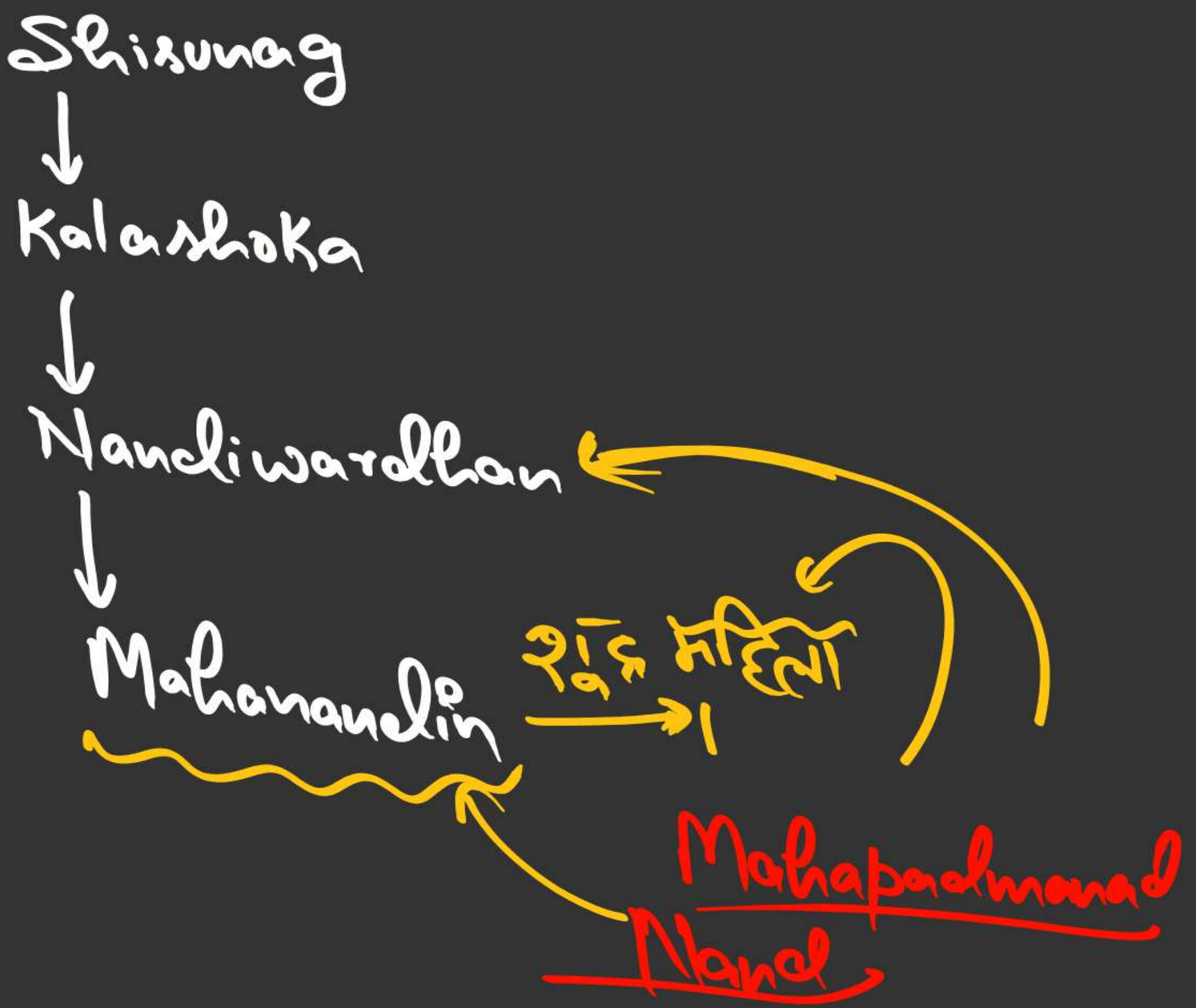
Shisunag
Kalashoka
Nandiwardhan
Mahanandin
शूद्र महिला
Mahapadmanand
Nand

1. Who was the founder of the Shishunaga dynasty?
शिशुनाग वंश का संस्थापक कौन था?

Answer / उत्तर –

King Shishunaga was the founder of the Shishunaga dynasty. / राजा शिशुनाग शिशुनाग वंश के संस्थापक थे।

2. Who was the last ruler of the Shishunaga dynasty? शिशुनाग वंश का अंतिम शासक कौन था?

Answer / उत्तर – Mahanandin

~~Nandivardhana is~~ considered the last king of the Shishunaga dynasty. / नंदीवर्धन को शिशुनाग वंश का अंतिम राजा माना जाता है।

3. What was the capital of the Shishunaga dynasty?

शिशुनाग वंश की राजधानी क्या थी?

Answer / उत्तर –

At different times, the capitals were Girivraj, Vaishali, and Pataliputra. / शिशुनाग वंश की राजधानी अलग-अलग समय में गिरिव्रज, वैशाली और पाटलिपुत्र रही।

4. Kalashoka belonged to which dynasty?

कालाशोक किस वंश का था?

Answer / उत्तर –

Kalashoka belonged to the Shishunaga dynasty. / कालाशोक शिशुनाग वंश का था।

5. When was the Shishunaga dynasty founded?

शिशुनाग वंश की स्थापना कब हुई?

Answer / उत्तर –

The Shishunaga dynasty was founded in 413 BC. / शिशुनाग वंश की स्थापना 413 ईसा पूर्व हुई थी।

6. What was the duration of the Shishunaga dynasty?

शिशुनाग वंश का कार्यकाल क्या रहा?

Answer / उत्तर –

From 413 BC to 345 BC. / 413 ईसा पूर्व से 345 ईसा पूर्व तक माना जाता है।

7. From when to when did the Shishunaga dynasty rule?

शिशुनाग वंश कब से कब तक रहा?

Answer / उत्तर –

413 BC to 345 BC. / 413 ईसा पूर्व से 345 ईसा पूर्व तक।

last -> Mahanandin

8. Who was Nandivardhana? / नंदिवर्धन कौन था?

Answer / उत्तर –

Second last

He was the ~~last ruler~~ of the Shishunaga dynasty. / शिशुनाग वंश का अंतिम शासक था।

→ Last Dynasty

Nand Dynasty (344 BC-322 BC)

- Founder – Mahapadmananda
- This was the first Non-Kshatriya dynasty. / यह पहला गैर-क्षत्रिय वंश था।
- He murdered Kalashoka to become the king. / उसने राजा बनने के लिए कालाशोक की हत्या की।
- As per the Puranas, he was the son of the last Shishunaga king from a Shudra woman. / पुराणों के अनुसार, वह अंतिम शिशुनाग शासक और एक शूद्र स्त्री का पुत्र था।

Nand Dynasty (344 BC-322 BC)

- As per some Jain texts and Greek writer Curtius, he was the son of a barber. / कुछ जैन ग्रंथों और यूनानी लेखक कर्टियस के अनुसार, वह एक नाई का पुत्र था।
- He is also known as "Sarva Kshatriyantaka" (destroyer of all the Kshatriyas) and "Ekrat", Ugrasena (Owner of a huge army). / वह "सर्वक्षत्रियंतक" (सभी क्षत्रियों का संहारक), "एकरत" और "उग्रसेन" (विशाल सेना का स्वामी) के नाम से भी प्रसिद्ध था।
- He conquered many kingdoms including Kalinga. / उसने कई राज्यों को जीता, जिनमें कलिंग भी शामिल था।

Dhana Nanda (329 –321 BCE)

- Dhana Nanda, according to the Buddhist text Mahabodhivamsa, was the last ruler of the Nanda dynasty of ancient India. / बौद्ध ग्रंथ महाबोधिवंश के अनुसार धनानंद प्राचीन भारत में नंद वंश का अंतिम शासक था।

- He was the youngest of the eight brothers of the dynasty's founder. / वह वंश के संस्थापक के आठ भाइयों में सबसे छोटा था।

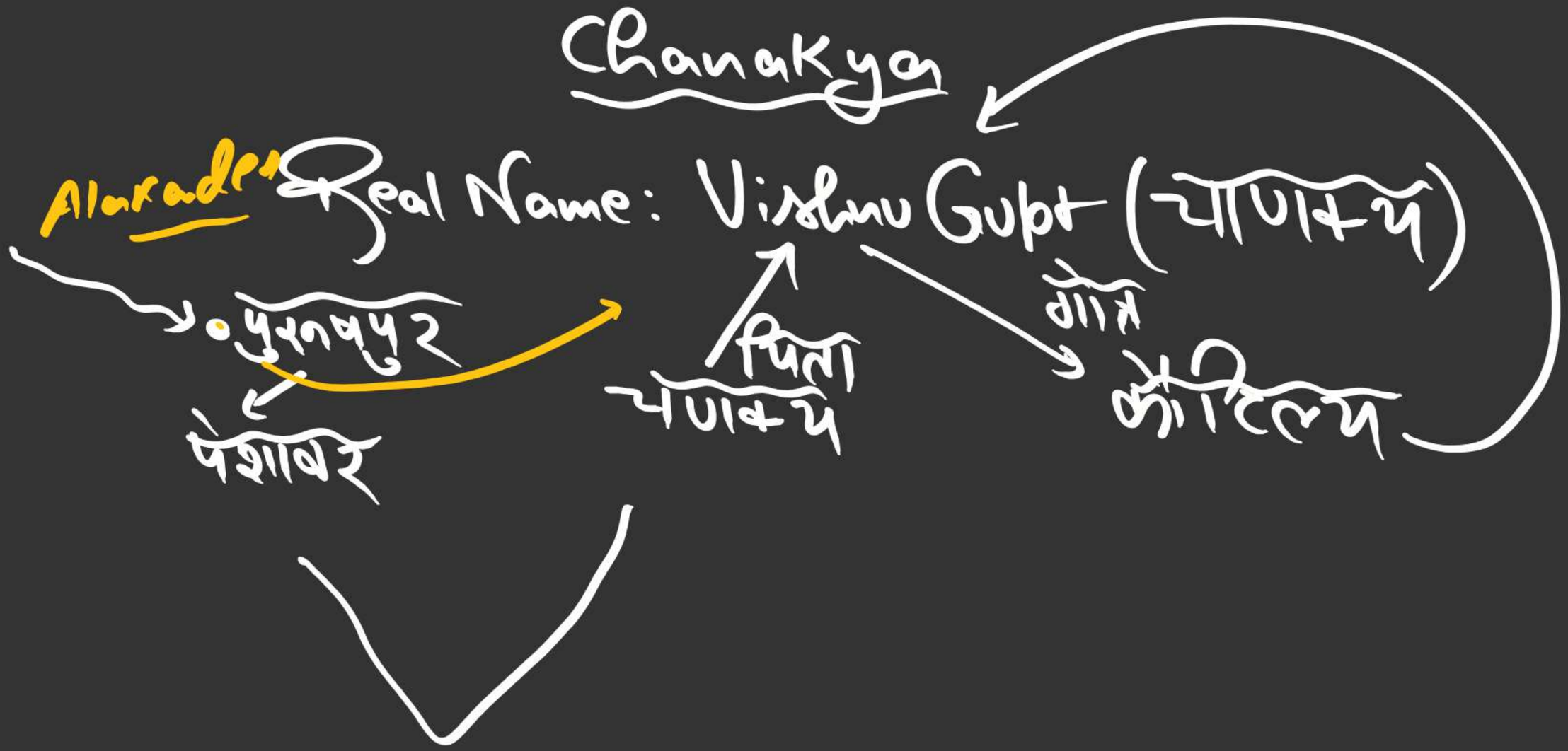

Chanakya

Alaxader

Real Name: Vishnu Gupt (चाणक्य)

• पुरुषपुर → पेशावर

पिता → चणाक्य

गोत्र → कौटिल्य

Dhana Nanda (329 –321 BCE)

- Name – Agrammes or Xandrames in Greek texts. / नाम – यूनानी ग्रंथों में अग्रेम्मेस या ज़ैंड्रेमेस।

- 99 crore Gold coins. / 99 करोड़ स्वर्ण मुद्राएँ।

- Chandragupta Maurya along with Chanakya, which led to the foundations of the Maurya Empire in Magadha. / चन्द्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य के साथ मिलकर मगध में मौर्य साम्राज्य की नींव डाली।

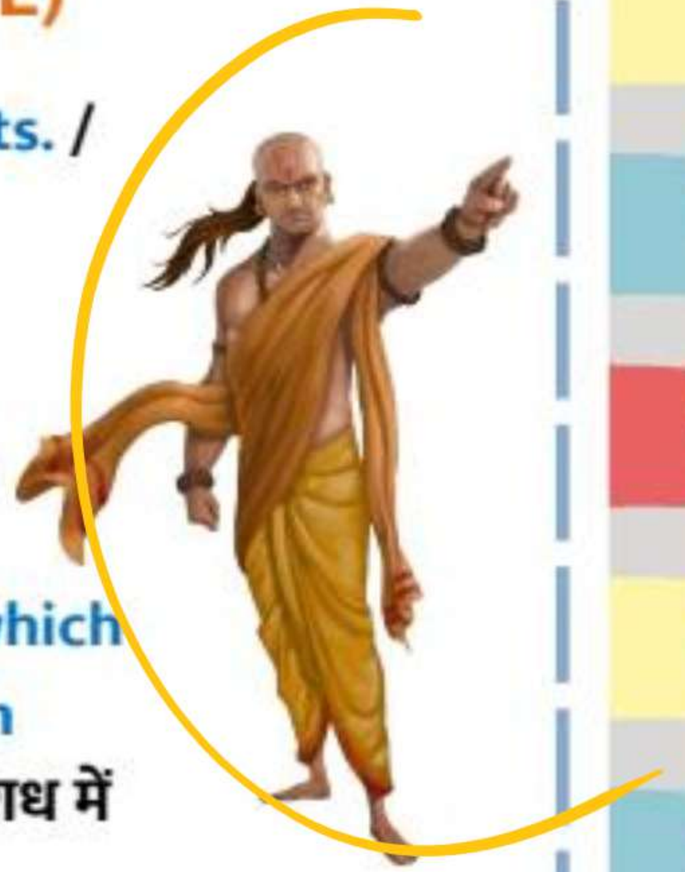

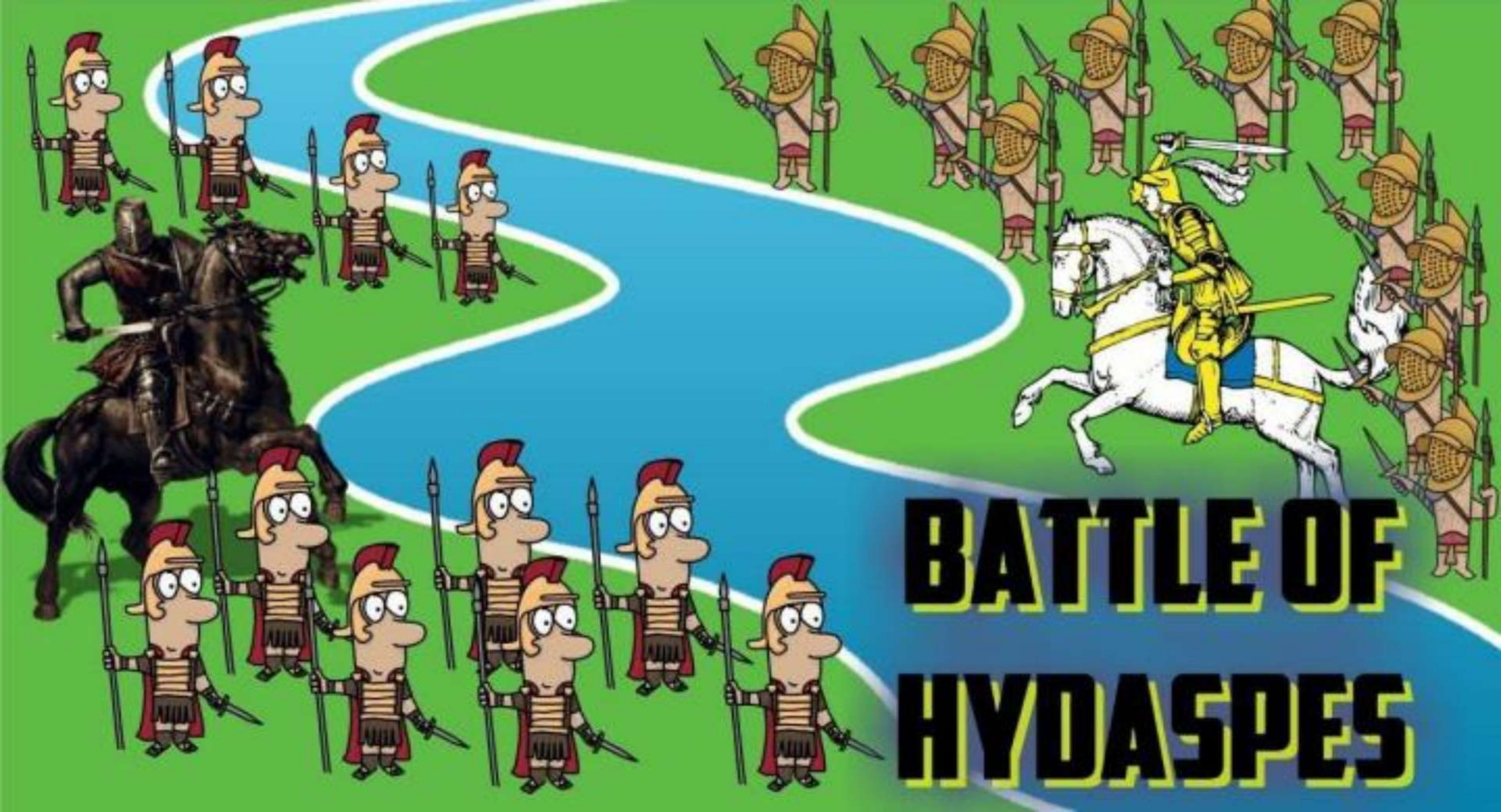
BATTLE OF
HYDASPES

Masidonia

↓

Phillip II ⟷ Olympia

↓

Alaxander

↳ घोड़ा → Budefelus

50,000 Army

10,000 Elite